**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर की पंतजा बकरी की बढ़ती मांग के मद्देनज़र नया उपकेन्द्र स्थापित

पंतनगर। १९ फरवरी, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित बकरी की पंतजा नस्ल की तीव्र शारीरिक वृद्धि, जुड़वां बच्चों के पैदा होने की दर अधिक तथा उत्पादकता अधिक होने के कारण बकरी पालकों को काफी लाभ प्राप्त हो रहा है, जिसके कारण अन्य लोग भी पंतजा बकरी पालने के लिए प्रोत्साहित हो रहे है तथा पंतजा की मांग बढ़ती जा रही है। इस तथ्य का संज्ञान लेकर हाल ही में विश्वविद्यालय के अनुसंधान केन्द्र, मझेरा (नैनीताल), में विश्वविद्यालय में चल रही बकरी परियोजना का उपकेन्द्र स्थापित किया गया है, जहां पर उच्च क्षमतावान पंतजा बकरियों का प्रजनन किया जा रहा है तथा उनसे उत्पादित पंतजा मेमनों को आस-पास के गावों में वितरित किया जायेगा।

परियोजना अधिकारी, डा. आर.के. शर्मा ने बताया कि वर्ष २०१४ में भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बकरियों के अति महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, द्वारा पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुधन उत्पादन प्रबंध विभाग में अखिल भारतीय समन्वित बकरी शोध परियोजना के केन्द्र की स्थापना की गयी थी। इस परियोजना के अन्तर्गत उच्च क्षमतावान पंतजा बकरियों के समूह की स्थापना की गयी है, जिसमें उत्पादित नर बकरों को परियोजना क्षेत्र में नस्ल सुधार हेतु वितरित किया जाता है। अब तक लगभग ८० बकरे परियोजना के अन्तर्गत बांटे जा चुके हैं, जिनसे २,५०० पंतजा मेमनों का जन्म हो चुका है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक ऊधमसिंह नगर व नैनीताल जिलों के १४० से अधिक गावों में ९,००० बकरियों का सर्वेक्षण किया जा चुका है तथा ४२ गावों में ३,००० बकरियों को अंगीकृत किया गया है साथ ही अब तक १,११५ बकरी पालकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अंगीकृत परिवारों को २९,६४० किग्रा बकरी का दाना, ३,५१२ किग्रा खनिज चूर्ण ८,४२० किग्रा चूना, १,१७९ दाने के बर्तन तथा ६५ प्रथम चिकित्सा किट वितरित किये जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त २,००० टीकाकरण तथा १,५०० बकरियों को कृमिनाशक दवा पिलाई जा चुकी है, जिसके कारण बकरियों में मृत्युदर में काफी कमी आयी है।

नये स्थापित मझेरा केन्द्र का कार्य डा. रिपूसूदन कुमार, कनिष्ठ शोध अधिकारी, मझेरा, की देख रेख में सम्पन्न होगा। इस परियोजना के स्थानीय समन्वयक डा. डी.वी. सिंह, तथा परियोजना अधिकारी, डा. आर. के. शर्मा, एवं सह-परियोजना अधिकारी, डा. एस.के. सिंह, डा. जे. एल सिंह, डा. अनिल कुमार व डा. राजीव रंजन कुमार हैं।

*पंतजा नस्ल से प्रवर्धित बच्चों का पालन करती महिला कृषक।*